राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–17 अंक–04 अक्टूबर–दिसम्बर 2016

एनआईटीटीआर, भोपाल में संविधान के मूलभूत अधिकारों एवं कर्तव्यों पर चर्चा

दीप प्रज्जवलन करते प्रो. करौलिया

दिनांक 26 नवम्बर को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल में संविधान दिवस मनाया गया। संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के प्रति प्राध्यापकों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा देश के जाने–माने विधि विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं चेयर उपभोक्ता मंच प्रो. राजीव कुमार खरे का व्याख्यान "भारतीय संविधान में मूलभूत अधिकार एवं कर्तव्य" विषय पर आयोजित किया गया। प्रो. खरे ने भारतीय संविधान में प्रदत्त समस्त मौलिक अधिकारों की संदर्भ सहित व्याख्या एवं विशेष परिस्थितियों में की जा सकने वाली विवेचना को सरल एवं सारगर्भित रूप से श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रो. खरे ने अपने व्याख्यान के दौरान संविधान में सन्निहित मौलिक कर्तव्यों के विस्तृत विश्लेषण के साथ कर्तव्यों एवं अधिकारों की परस्पर निर्भरता पर तार्किक प्रकाश डाला। मूलभूत अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायी संवैधानिक संस्थाओं के संदर्भ में श्रोताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रो. खरे ने संविधान में उल्लेखित राज्य के नीति निदेशक तत्वों का भी उल्लेख किया।

संस्थान के निदेशक प्रो. दशरथ सिंह करौलिया ने मूलभूत अधिकारों एवं कर्तव्यों की महत्ता को बताते हुए इसके प्रति सामाजिक चेतना की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला और कहा कि समाज के अलग–अलग वर्ग के लिए हमारे कर्तव्य अलग–अलग हैं। यदि हम समाज के विभिन्न वर्गो के प्रति कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो बहुत सी समस्याओं का निराकरण स्वतः ही हो जायेगा एवं समाज के विकास में समरसता आयेगी। संविधान दिवस के इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. आर.जी. चौकसे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा स्वागत भाषण एवं भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन सभी प्रतिभागियों द्वारा कराया गया। प्रो. चौकसे ने कहा कि हम अपने अधिकारों के लिए बहुत जागरूक हैं पर संविधान में दिए कर्तव्यों पर ध्यान नहीं देते हैं। यदि हम अपने कर्तव्यों पर ध्यान देंगे तो हमारे देश की बहुत सारी समस्याओं का हल निकाल लेंगे। संविधान दिवस मनाने की शुरूआत वर्ष 2015 से हुई। कार्यक्रम में संस्थान के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. राजीव खरे

छत्तीसगढ़ राज्य के पाठ्यक्रम विकास का कार्य प्रारंभ

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के डिप्लोमा इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों के उन्मुखीकरण एवं नया स्वरूप प्रदान करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. अंजू रौले, डॉ. पीयूष वर्मा एवं डॉ. अनिल कुमार के मागदर्शन में दिनांक 30 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2016 तक किया गया। जिसमें 72 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के कुलपति, डॉ. मुकेश वर्मा व रजिस्ट्रार श्री डी.एन. सीरसंत ने कार्यशाला को संबोधित किया। छत्तीसगढ़ राज्य में परिणाम आधारित पाठ्यक्रम के अनुसार उद्योगों की मौजूदा आवश्यक्ता के अनुरूप पॉलिटेक्निक के पंद्रह पाठ्यक्रम में बदलाव किया जा रहा है। इस कार्य के लिए एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल विभिन्न प्रोग्राम में अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहा है। कार्यशाला के लिए उद्योग व शैक्षिणक जगत के प्रतिनिधियों की समिति बनाई गई है। कार्यशाला में उद्योग के प्रतिनिधियों व पूर्व छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा रोजगारपरक और औद्योगिक इकाइयों के अनुरूप पाठ्यक्रम पर जोर दिया गया।

निटर, भोपाल द्वारा एम.एस.बी.टी.ई. हेतु पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम जारी

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा एम.एस.बी.टी.ई., मुंबई द्वारा संचालित किये जा रहे 18 विभिन्न डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इस हेतु निटर, भोपाल के संकाय सदस्यों द्वारा महाराष्ट्र के तकनीकी शिक्षकों के लिये परिणाम आधारित पाठ्यक्रम पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं एवं इनका आयोजन जारी है। महाराष्ट्र राज्य के सभी पॉलिटेक्निक में नवीन पाठ्यक्रम जुलाई 2017 से लागू हो जायेंगे। पाठ्यक्रम एन.बी.ए. की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाये जा रहे हैं। इस परियोजना के समन्वयक प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट हैं एवं एनआईटीटीटीआर, भोपाल के सभी संकाय सदस्यों द्वारा इस परियोजना में अपना योगदान प्रदान किया जा रहा है।

आई.एस.ओ. के नये मानक 9001 : 2015 की तैयारी

संस्थान में आई.एस.ओ. 9001–2008 के माध्यम से गुणवत्ता के लिए विगत वर्षों से प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक पांच वर्ष में नये मानक लागू किए जाते हैं। इसी परिपेक्ष्य में आई.एस.ओ. 9001–2015 का नया मानक निर्धारित किया गया है, जो कि संस्थान में लागू किया जाना है। इस नये मानक में कई बदलाव किए गए हैं, जिसमें मुख्यतः जोखिम का निर्धारण करना है। नये मानक को लागू करने के लिए संस्थान में दिनांक 22 दिसम्बर 2016 को एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. दशरथ सिंह करौलिया, निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ संकाय सदस्यों सहित लगभग 35 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षक श्री अंकुर संघल, यू.आर.एस., नई दिल्ली एवं श्री अजय सिंह थे। उन्होने आई.एस.ओ. 2008 और 2015 के बीच में अन्तर, नये मानक के नए पहलु व चुनौतियों के बारे में मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यशाला के रूप में था, जिसमें समूह बनाकर संकाय सदस्यों ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संजय अग्रवाल, समन्वयक, आई.एस.ओ. ने की तथा आभार प्रस्तुतिकरण प्रो. निशिथ दुबे द्वारा किया गया।

डिजीटल माध्यम से शिक्षण अधिगम संसाधनों का विकास पर कार्यक्रम

इलेक्ट्रानिक मीडिया विभाग द्वारा दिनांक 21 नवंबर से 02 दिसंबर 2016 तक "डिजीटल माध्यम से शिक्षण अधिगम संसाधनों का विकास" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कोलंबो प्लान के "तकनीकी सहयोग योजना" (Technical Cooperation Scheme) के अंतर्गत म्यांमार, थाईलेंड, अफगानिस्तान एवं अन्य राज्यो से आये प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विविध डिजीटल मीडिया को बनाने तथा उसे उपयोग में लाने की प्रक्रिया को विस्तृत करके बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक–एक पॉडकास्ट, ब्लॉग, वीडियो स्क्रिप्ट तथा प्रस्तुतिकरण का निर्माण किया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित डिजीटल मीडिया प्रस्तुतिकरण स्टूडियो में रिकार्ड किये गये। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एस.एस. केदार थे एव संकाय सदस्य के रूप में प्रो. आर.पी. खम्बायत, प्रो. अस्मिता खजांची, प्रो. प्रभाकर सिंह एवं डॉ. के. जे मथाई ने अपना सहयोग प्रदान किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय अर्धवार्षिक बैठक सम्पन्न

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2016 की द्वितीय अर्धवार्षिक बैठक एनआईटीटीटीआर, भोपाल में दिनांक 27 दिसंबर 2016 को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. दशरथ सिंह करौलिया, निदेशक एवं अध्यक्ष नराकास ने की। श्री डी.के. तिवारी, सदस्य सचिव, नराकास द्वारा बैठक में उपस्थित सभी केन्द्र सरकार के कार्यालय प्रमुख एवं हिन्दी अधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। डॉ. दशरथ सिंह करौलिया, निदेशक एवं अध्यक्ष, नराकास, एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में केन्द्रीय कार्यालयों से पधारे कार्यालय प्रमुखों, हिन्दी अधिकारियों एवं उपस्थित विद्वानों का बैठक में उपस्थित होने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होने खुशी जाहिर की कि हम सब मिलकर हिन्दी के प्रयोग एवं प्रचार–प्रसार के लिये निरन्तर प्रयत्नशील हैं। उन्होने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासो से ही जिस प्रकार राजभाषा कार्यो की गुणवत्ता दिखाई दे रही है जो काफी अच्छी है। उन्होने यह भी आवाहन किया कि हमें राजभाषा कार्यो में स्पर्धा/उत्कृष्टता लानी चाहिए ताकि चलशील्ड की जो व्यवस्था की जा रही है उसे हम हासिल कर सकें। अंत में उन्होने सभी को आने वाले नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस बैठक में भोपाल स्थित केन्द्रीय सरकार के 20 से अधिक कार्यालय प्रमुख अपने हिन्दी अधिकारियों के साथ उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला ने किया।

नराकास बैठक को संबोधित करते प्रो. करौलिया

संकाय सदस्यो के विकास विषय पर प्रशिक्षण

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 13 से 18 अक्टूबर 2016 तक एसएसबीटी इंजीनियरिंग तकनीकी महाविद्यालय जलगांव में "संकाय सदस्यों के विकास" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में हुये नवनियुक्त संकाय सदस्यो के लिये आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्‌देश्य शिक्षण की प्रभावशीलता को बढ़ाना, तकनीकी शिक्षा प्रणाली, शिक्षण के सिद्धांत, डिजीटल मीडिया के शैक्षणिक सिद्धांतो का कार्य और चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केन्द्रित करना था। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों से कुल 32 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेश पी. खम्बायत थे एवं डॉ. एस.एस. केदार ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

व्यावसायिक प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण

सीडीटीपी स्कीम के तहत् संस्थान में दिनांक 07 से 11 नवम्बर 2016 तक व्यावसायिक प्रशिक्षकों हेतु एक इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्‌देश्य कम्यूनिटी पॉलीटेक्निक परियोजना के अंतर्गत कार्यरत प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करना था जिससे कि वो अपने कार्य को अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 प्रशिक्षक उपस्थित हुये । प्रशिक्षण के दौरान केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान में एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन भी किया गया, जहाँ पर विभिन्न उपयुक्त प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया व इनकी उपयोगिता एवं तकनीकी संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय कुमार जैन तथा संकाय सदस्य प्रो.एम सी पालीवाल थे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. दशरथ सिंह करौलिया ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया ।

महिला सशक्तिकरण पर प्रशिक्षण

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 26 से 30 दिसंबर 2016 तक "महिला सशक्तिकरण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्‌देश्य संचार कौशल को विकसित करना, कार्यस्थल एवं घर में प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न मुद्‌दों पर चर्चा करना एवं महिलाओं के हित से जुड़े विभिन्न कानूनों पर विचार करना इत्यादि था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 18 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजना तिवारी थी एवं डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने संकाय सदस्य के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

पर्यावरण प्रदूषणः हरित और वैकल्पिक ईंधन विषय पर प्रशिक्षण

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 12 दिसंबर से 23 दिसंबर 2016 तक "पर्यावरण प्रदूषणः हरित और वैकल्पिक ईंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को पर्यावरण के मूल सिद्वांत, प्रदूषण की अवधारणा उसके कारण, उसके विश्लेषण में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न मापकों के प्रयोग एवं महत्व, प्रदूषण को कम करने के उपायों एवं विभिन्न विद्याओं, औद्योगिक अपशिष्ट के निष्पादन, अपशिष्ट के हानिकारक प्रभावों एवं उनके बचाव की विभिन्न पद्वतियों पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में बॉयोडीजल का इंजन एवं पर्यावरण पर प्रभाव, ओजोन परत का अवक्षय, वैश्विक गर्मी आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को भौतिक एवं रासायनिक गुणों का कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से विश्लेषण करने की पद्धति से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 23 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बशीरउल्ला शेक थे तथा संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के.पुरोहित एवं प्रो. अभिलाष ठाकुर ने सहयोग प्रदान किया।

नेनोटेक्नॉलॉजी: अवसर एवं चुनौतियां विषय पर प्रशिक्षण

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 24 से 28 अक्टूबर 2016 तक विस्तार केंद्र पुणे में "नेनोटेक्नॉलॉजीः अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने नेनो पार्टिकल के विकास की प्रक्रिया, उनका संवर्धन एवं प्रयोग, नेनो स्केल, सरफेस ऑप्टीमाईजेशन, उसकी रासायनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को भौतिक एवं रासायनिक गुणों का कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से विश्लेषण करने की पद्धति से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 47 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बशीरउल्ला शेक थे तथा संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अभिलाष ठाकुर ने सहयोग प्रदान किया।

अभियांत्रिकी में रसायन विज्ञान के अनुप्रयोग विषय पर प्रशिक्षण

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 14 से 18 नवंबर 2016 तक विस्तार केंद्र अहमदाबाद में "अभियांत्रिकी में रसायन विज्ञान के अनुप्रयोग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बशीरउल्ला शेक थे तथा संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अभिलाष ठाकुर ने सहयोग प्रदान किया।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा आन लाईन चर्चा श्रृंखला

दिनांक 16 दिसंबर 2016 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने "भारतीय विचार नेतृत्व चर्चा पर श्रृंखला" की शुरूआत की। इस श्रृंखला में सोशल मीडिया पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो अनिल सहस्त्रबुद्धे ने संबोधित किया। एनआईटीटीटीआर, भोपाल के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने इस प्रसारण को सुना एवं चर्चा ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ राज्य के नवनियुक्त तकनीकी शिक्षकों हेतु इंडक्शन कार्यक्रम

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. एम.के. वर्मा के विशेष आग्रह पर एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में नवनियुक्त शिक्षकों हेतु चार इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन मार्च 2017 तक किया जायेगा, जिसमें से एक इंडक्शन कार्यक्रम दिनांक 21 नवंबर से 02 दिसंबर 2016 के मध्य आयोजित किया जा चुका है। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने ये इंडक्शन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न अभियांत्रिकी विषयों में नवनियुक्त शिक्षकों के लिये विशेष रूप से तैयार किया है। छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 200 नव–नियुक्त शिक्षकों को इन कार्यक्रमों के मध्यम सें प्रशिक्षण दिया गया है। डॉ. राजेश पी.खंबायत समग्र कार्यक्रमों के समन्वयक हैं।

सहयोगी शिक्षण पर प्रशिक्षण

कंप्यूटर अभियांत्रिकी और अनुप्रयोग विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 07 नवम्बर से 11 नवम्बर 2016 तक नेटवर्किंग का उपयोग करते हुए लाईनक्स विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे।

वेबसाइट का विकास एवं संरचना पर प्रशिक्षण

कम्प्यूटर अभियांत्रिकी और अनुप्रयोग विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 14 नवम्बर से 25 नवम्बर 2016 तक "वेबसाइट का विकास एवं संरचना" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. के. कपूर थे और संकाय सदस्य के रूप में डॉ. संजय अग्रवाल एवं डॉ. एम. ए. रिजवी ने योगदान दिया।

प्रगत जावा प्रोग्रामिंग पर प्रशिक्षण

कम्प्यूटर अभियांत्रिकी और अनुप्रयोग विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 05 दिसंबर से 09 दिसंबर 2016 तक "उन्नत जावा प्रोग्रामिंग" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालय के 16 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शैलेन्द्र सिंह थे।

शैक्षणिक सेवाओं के प्रचार-प्रसार पर प्रशिक्षण

प्रबंधन विभाग ने शैक्षणिक सेवाओं के प्रचार–प्रसार विषय पर संस्थान में दिनांक 19 से 23 दिसम्बर –2016 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमे तकनीकी संस्थाओ के प्राध्यापक, विभाग प्रमुख, वरिष्ठ संकायगण ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 09 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. पराग दुबे ने किया एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं प्रो. आशीष देशपांडे ने योगदान दिया।

रचनात्मक लेखन पर कार्यशाला

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में दिनांक 09–10 नवंबर 2016 को ''रचनात्मक लेखन'' विषय पर 02 दिवसीय हिंदी कार्यशाला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के सहयोग से आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. किरण सक्सेना, प्रो. एस.एस. केदार ने अपना योगदान दिया। इस अवसर पर श्री डी.के. तिवारी, सचिव, नराकास भी उपस्थित थे।

मार्गदर्शन, परामर्श, सलाह एवं मूल शिक्षा पर प्रशिक्षण

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 14 से 18 नवंबर 2016 तक शिक्षकों के लिये मार्गदर्शन, परामर्श, सलाह एवं मूल शिक्षा विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान काल में सलाह और परामर्श की प्रासंगिकता को समझना, ऐसी स्थितियों को समझना जिसमें परामर्श से पर्याप्त परिणाम मिल सकें और परामर्श एवं सलाह के लिए कार्ययोजना विकसित करना जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात एवं महाराष्ट्र के कुल 18 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. किरण सक्सेना थी एवं डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. राजेश पी. खम्बायत ने संकाय सदस्य के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

गुणवत्ता प्रबंधन पर प्रशिक्षण

प्रबंधन विभाग द्वारा "गुणवत्ता प्रबंधन" विषय पर दिनांक 07 से 18 नवम्बर 2016 तक दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनमें से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम तकनीकी सहयोग योजना (टीसीएस) के तहत् आयोजित किया गया, जिसमें म्यांमार, ईरान, बंग्लादेश से आये प्रतिभागियों सहित देश के विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थाओ के संकाय सदस्य एवं अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्व–मूल्यांकन पद्धतियों के उपयोग के बारे में बताया गया। इन दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. बी.एल. गुप्ता ने किया एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पराग दुबे, प्रो. आशीष देशपांडे, प्रो. रोली प्रधान, प्रो. आर. बी. शिवागुंडे एवं प्रो. अंजू रावले ने योगदान दिया।

जन प्रबंधन एवं टीम निर्माण पर प्रशिक्षण

प्रबंधन विभाग ने "जन प्रबंधन एवं टीम निर्माण" विषय पर संस्थान मे दिनांक 5 से 19 दिसम्बर 2016 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में तकनीकी संस्थाओ के प्राध्यापक, विभाग प्रमुख एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. पराग दुबे ने किया एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान एवं प्रो.बी. एल. गुप्ता ने योगदान दिया।

व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक सोच पर प्रशिक्षण

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 07 से 11 नवंबर 2016 तक "व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक सोच" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को समझना, विकट परिस्थितियों में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना, शिष्यों की भावनात्मक बुद्धि को समझना और उसे बढ़ावा देना इत्यादि था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में म.प्र., गुजरात एवं महाराष्ट्र के विभिन्न पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों से आये कुल 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजना तिवारी थी एवं डॉ. राजेश पी. खंबायत ने संकाय सदस्य के रूप में अपना सहयोग प्रदान किया।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा अक्टूबर-नवम्बर-दिसम्बर 2016 में संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र	शीर्षक	अवधि	स्थान
1	ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग कर स्वयं सीखना	03–07 अक्टूबर 16	भोपाल
2	सिविल इंजीनियरिंग में रिमोट सेंसिंग (दूरस्थ संवेदन) एवं जी.आई.एस. (वेश्विक सूचना प्रणाली) का उपयोग	03–07 अक्टूबर 16	भोपाल
3	लैबव्यू एवं मल्टीसिम के अनुप्रयोग	03–07 अक्टूबर 16	भोपाल
4	एडवांस ऑटोकेड	03–07 अक्टूबर 16	भोपाल
5	प्रयोगशाला पुस्तिका विकास एवं प्रयोगशाला कार्य एक्रीडिएशन की आवश्कता के अनुसार	03–07 अक्टूबर 16	गोवा
6	तकनीकी शिक्षा में शोध प्रपत्र एवं प्रस्ताव प्रस्ताव लेखन की पद्धति	17–28 अक्टूबर 16	भोपाल
7	सिविल इंजीनियरिंग में डिजिटल लर्निंग रिसोर्सेस	17–21 अक्टूबर 16	भोपाल
8	इन्डक्शन चरण–।।	17–28 अक्टूबर 16	अहमदाबाद
9	इन्डक्शन चरण–।।	17–28 अक्टूबर 16	भोपाल
10	प्रयोशाला एवं कार्यशाला (यांत्रिकी और विद्युतीय अभियांत्रिकी) को प्रभावी संचालन	17–21 अक्टूबर 16	रायगढ़
11	मैकेट्रोनिक्स	24–28 अक्टूबर 16	भोपाल
12	नैनोप्रोद्योगिकी अवसर एवं चुनौतियां	24–28 अक्टूबर 16	पुणे
13	व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक सोच एवं अभिवृत्ति विकास (टीसीएस'' प्रतिभागियों सहित)	07–11 नवम्बर 16	भोपाल
14	गुणवत्ता प्रबंधन सिस्टम (टीसीएस'' प्रतिभागियों सहित)	07–18 नवम्बर 16	भोपाल
15	नेटवर्किंग – लिनिक्स द्वारा	07–11 नवम्बर 16	भोपाल
16	बेतार और मोबाइल संचार	07–11 नवम्बर 16	भोपाल
17	इन्डक्शन चरण–।	07–18 नवम्बर 16	भोपाल
18	समूह 1 के तृतीय सेमेस्टर के कार्यक्रमों के विस्तृत विवरण हेतु प्रथम कार्यशाला	08–10 नवम्बर 16	पुणे
19	शिक्षकों के लिए गाइडेंस, परामर्श सलाह एवं मूल्य शिक्षा	14–18 नवम्बर 16	भोपाल
20	डायनेमिक वेबसाइट का डिज़ाइन एवं डेव्लोपमेंट (टीसीएस'' प्रतिभागियों सहित)	14–25 नवम्बर 16	भोपाल
21	सिविल के क्षेत्र में डिप्लोमा की नई जी.टी.यू. पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन एवं सम्बंद्धित शाखाएं (सिविल, पर्यावरण, परिवहन, वास्तुकला एवं खनन)	14–25 नवम्बर 16	अहमदाबाद
22	समूह 1 के तृतीय सेमेस्टर के कार्यक्रमों के विस्तृत विवरण हेतु द्वितीय कार्यशाला	15–17 नवम्बर 16	पुणे
23	शिक्षण अधिगम संसाधन डिजिटल मीडिया के उपयोग का विकास (टीसीएस'' प्रतिभागियों सहित)	21 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	भोपाल
24	स्टेड प्रो एवं स्टड सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा संरचना डिज़ाईन	21–25 नवम्बर 16	भोपाल
25	पवन उर्जा प्रोद्योगिकी	21 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	भोपाल
26	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में गणित के अनुप्रयोग (केवल गणित संकाय के लिए)	21–25 नवम्बर 16	अहमदाबाद
27	तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षकों का 21वी शताब्दी के लिए प्रशिक्षण	28 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	भोपाल
28	क्रोमेटोग्राफिक के विधियाँ	28 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	भोपाल
29	सतत विकास के लिए पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन, पर्यावरण प्रबंधन योजना	28 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	भोपाल
30	मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए केटिया	28 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	अहमदाबाद
31	इलेक्ट्रोनिक एवं संचार इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा की नई जी.टी.यू. पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन बावत्	28 नवम्बर–09 दिसम्बर 16	अहमदाबाद
32	निविदा प्रक्रिया एवं खरीद के लिए अनुबंध प्रबंधन	28 नवम्बर–02 दिसम्बर 16	रायपुर
33	विकास में स्टॉट–अप्स के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	05–09 दिसम्बर 16	भोपाल
34	छात्रों के मूल्यांकन में रूब्रिक या निर्देशावली का उपयोग	05–09 दिसम्बर 16	भोपाल
35	जन प्रबंधन एवं टीम के निर्माण	05–09 दिसम्बर 16	भोपाल
36	वेब हैकिंग एवं सिक्यूरिटि एडवांस जावा प्रोग्रामिंग	05–09 दिसम्बर 16	भोपाल
37	बिजली व्यवस्था क्षणिक स्थिरता विश्लेषण	05–09 दिसम्बर 16	भोपाल
38	बिल्डिंग परिसर का विद्युतीयकरण (बिजली के संकाय सदस्य के लिए)	05–09 दिसम्बर 16	अहमदाबाद
39	यांत्रिक अभियांत्रिकी के लिए मास्टर केम	05–09 दिसम्बर 16	अहमदाबाद
40	नेतृत्व विकास	05–09 दिसम्बर 16	पुणे
41	पर्यावरण प्रदुषणः ग्रीन एवं वैकल्पिक ईंधन (टीसीएस'' प्रतिभागियों सहित)	12–23 दिसम्बर 16	भोपाल
42	व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता कौशल विकास (टीसीएस'' प्रतिभागियों सहित)	12–23 दिसम्बर 16	भोपाल
43	एडवांसेस इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग (उद्योग के सहयोग से)	12–16 दिसम्बर 16	भोपाल
44	CDTP योजना के तहत विद्युतकार ट्रेड में प्रदान योग्यता आधारित प्रशिक्षण के लिए TOT कार्यक्रम	12–16 दिसम्बर 16	भोपाल
45	अनुप्रयोग विकास के साथ मोबाइल कंप्यूटिंग (केवल कंप्यूटर और आईटी संकाय सदस्यों के लिए)	12–16 दिसम्बर 16	अहमदाबाद
46	शिक्षण एवं मूल्यांकन विधि के सामने एनबीए प्रत्यायन	12–16 दिसम्बर 16	अहमदाबाद
47	समूह 1 के तृतीय सेमेस्टर के कार्यक्रमों के विस्तृत विवरण हेतु द्वितीय कार्यशाला	13–15 दिसम्बर 16	पुणे
48	शैक्षिक सेवाओं का विपणन	19–23 दिसम्बर 16	भोपाल
49	ग्रीन बिल्डिंग की अवधारणा एवं उपयोग	19–23 दिसम्बर 16	भोपाल
50	कंप्यूटर एडेड डिजाइन व मैनुफेक्चरिंग	19–30 दिसम्बर 16	भोपाल
51	द्वितीय कोर्स तृतीय सेमेस्टर के लिए समूह 2 कार्यक्रम के कार्यशाला का ब्यौरा	20–22 दिसम्बर 16	पुणे
52	महिला सशक्तिकरण	26–30 दिसम्बर 16	भोपाल
53	शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ	26–30 दिसम्बर 16	भोपाल
54	इन्डक्शन चरण–।।	26 दिसम्बर–06 जनवरी 17	भोपाल

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

संविधान दिवस पर कार्यक्रम

केड-केम पर कार्यक्रम

टीसीएस कार्यक्रम

केशलेस पर कार्यक्रम

सतर्कता सप्ताह पर कार्यक्रम

क्रोमेटोग्राफी पर कार्यक्रम

शिक्षण योजनाओं के निर्धारण पर कार्यक्रम

ऑटोमोबाईल इंजीनियरिंग पर कार्यक्रम

संविधान दिवस पर कार्यक्रम

विदाई समारोह

संकाय सदस्यों की मीटिंग

ग्रीन बिल्डिंग पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय एकता दिवस

रिमोट सेंसिंग पर कार्यक्रम

टीसीएस कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित कार्यक्रम

संरक्षक : निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सहसंपादक : श्री एम.आर. खान

सहयोग : श्रीमती मोहिनी कथूरिया, श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री विशाल जोशी, श्री सुधीर त्रिपाठी

आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित